७. मानवीय अधिवास

भारत में अधिवासों के प्रतिरूपों के उदाहरण :

आकृति ७.१ (अ)

आकृति ७.१ (आ)

आकृति ७.१ (अ) व (आ) में दर्शाए गए अधिवासों का निरीक्षण कीजिए व उत्तर दीजिए:

- अधिवासों के प्रकारों को पहचानिए।
- इनमें से कौन-सा अधिवास केंद्रीय प्रकार का है ? उसके क्या कारण हो सकते हैं ?
- प्रकीर्ण (बिखरे हुए) अधिवासों का भाग कौन-सा है ? उसका क्या कारण होगा ?
- ये अधिवास भारत के किस प्रदेश के होंगे इसका अंदाज लगाइए।

भौगोलिक स्पष्टीकरण

भारत में जलवायु में पाई जाने वाली विविधता, पानी की उपलब्धता, भूमि की ढाल, एवं उर्वरता के कारण अधिवासों के प्रतिरूप में विविधता पाई जाती है।

उत्तर भारतीय मैदानी प्रदेश, पूर्वीय तट, नर्मदा का मैदान, विंध्य का मैदान एवं भारत के वे प्रदेश जहाँ कृषि की जाती है वहाँ केंद्रीय अधिवास पाए जाते हैं।

इसके विपरीत मध्य भारत का वनाच्छादित भाग, राजस्थान का पश्चिमी एवं दक्षिणी भाग, हिमालय का ढाल वाला क्षेत्र एवं खंडित तथा उतार-चढ़ाव वाले प्रदेशों में भी मानवीय अधिवास विरल व बिखरे हुए पाए जाते हैं।

थोड़ा विचार कीजिए

बताइए कि आकृति ७.१ 'अ' एवं 'आ' में दिखाई गई उपरोक्त उपग्रहीय प्रतिमाएँ नगरीय हैं या ग्रामीण।

थोड़ा याद करो।

नीचे दी गई तालिका में कुछ सुविधाएँ दी गई हैं। ये सुविधाएँ केवल ग्रामीण अथवा नगरीय क्षेत्रों अथवा दोनों में उपलब्ध होती हैं।

तालिका में (✓) चिह्न भर कर तालिका पूर्ण कीजिए। साथ ही आपके परिसर में प्राप्त होनेवाली सुविधाओं पर पाँच वाक्य लिखिए।

सुविधाएँ	ग्रामीण	नगरीय
पेट्रोल पंप		
सिनेमा-घर		
साप्ताहिक बाजार		
प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र		
पुलिस चौकी		
कला दालन		
ग्राम पंचायत		
कृषि उत्पादन विपणन समिति		
प्राथमिक विद्यालय		
माध्यमिक विद्यालय		
महाविद्यालय		
दुकान		
बहु-उद्देशीय चिकित्सालय		
मेट्रो स्टेशन		
बस स्टैंड		
विश्वविद्यालय		

ब्राज़ील में अधिवासों के प्रतिरूपों के उदाहरण :

आकृति ७.२ (अ) : अमेज़न नदी की निचली भूमि

आकृति ७.२ (आ) : साओ पाउलो शहर

करके देखिए

आकृति ७.२ (अ) व (आ) में ब्राज़ील के अधिवासों को दिखाया गया है। उनमें से एक अमेज़न नदी का समतल प्रदेश है तो वहीं दूसरी प्रतिमा तटीय प्रदेश की है। इन अधिवासों के प्रतिरूपों का निरीक्षण कीजिए। प्रतिरूपों के प्रकार पहचानें। उनके घनत्व पर टिप्पणी लिखिए।

भौगोलिक स्पष्टीकरण

ब्राज़ील में अधिवासों की शुरुवात युरोप से आए साम्राज्यवादियों ने की। ये अधिवास मुख्य रूप से ब्राज़ील के तटीय प्रदेशों में विकसित हुए। अब इन अधिवासों के आकार बढ़कर वे सघन बन गए हैं। इन अधिवासों के विकास के मुख्य कारण निम्नलिखित हैं।

तटीय प्रदेश की सम व आर्द्र जलवायु, जल की प्रचुर आपूर्ति, संसाधनों की उपलब्धता, कृषि-योग्य ज़मीन इत्यादि के कारण इस प्रदेश में भूमि भले ही कम हो परंतु अधिवास घने हैं। उदा., साओ पाउलो।

साओ पाउलो प्रदेश की ज़मीन उर्वर है। कहवा के उत्पादन हेतु यह प्रदेश उपयुक्त है. इस प्रदेश में खनिज पदार्थों का प्रचुर भंडार है। यहाँ विद्युत आपूर्ति भी निर्बाध है। यहाँ परिवहन की सुविधाएँ विकसित हैं। उपरोक्त सभी कारणों के कारण साओ पाउलो में मानवीय अधिवास केंद्रित हो गए हैं. आकृति ७.३ देखो।

ब्राज़ील के उत्तर-पूर्वी भाग में उच्चभूमि का प्रदेश अवर्षण से ग्रस्त होने का कारण इस भाग में कृषि का मर्यादित विकास हुआ है। इस भाग में ग्रामीण अधिवास प्रकीर्ण (बिखरे) एवं विरल हैं।

तटीय प्रदेश से ब्राज़ील के अंदरूनी क्षेत्र यानी अमेज़न के मैदान की ओर जाएँ तो मानवीय अधिवास अधिक विरल होते जाते हैं। उनके कारण इस प्रकार हैं।

- यह प्रदेश सघन विषुवतरेखीय वनों से व्याप्त है। आकृति ७.४ देखिए।
- यहाँ की जलवायु सुस्त है और मानवीय अधिवासों के लिए अनुकूल नहीं है।
- संसाधनों के भंडारों का शोध लगाने एवं उपयोग करने में प्राकृतिक रूप से ही मर्यादाएँ हैं।
- इस भाग में परिवहन की सुविधाएं सीमित रूप में विकसित है।

आकृति ७. ३ : साओ पाउलो शहर

आकृति ७.४ : अमेज़न नदी के मैदान में वन

भारत – नगरीकरण :

कुल जनसंख्या का कितना हिस्सा शहरों में रहता है इस पर नगरीकरण का स्तर निश्चित किया जाता है ।

बताइए तो !

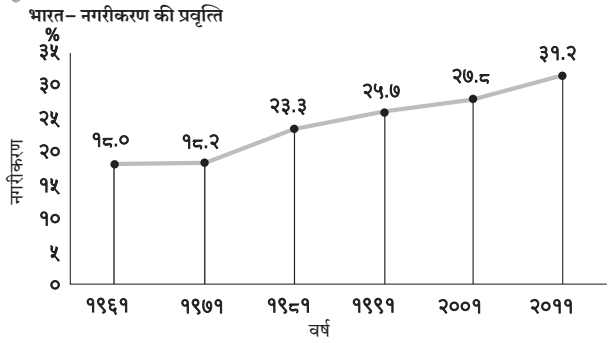

आकृति ७.५ : भारत – नगरीकरण की प्रवृत्ति (१९६१–२०११)

आकृति ७.५ का निरीक्षण कीजिए और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

- सन १९६१ में नगरीकरण कितना था ?
- किस दशक में नगरीकरण सर्वाधिक था ?
- किस दशक में नगरीकरण में वृद्धि बहुत कम थी ?
- रेखालेख की प्रवृत्ति देखते हुए भारत में होने वाले नगरीकरण के विषय में आप कौन–से निष्कर्षों पर पहुँचेंगे ?

भौगोलिक स्पष्टीकरण

इससे यह स्पष्ट होता है कि भारत में नगरीकरण की गति कम है। वर्ष २०११ में भारत में नगरीकरण ३१.२% था । विकसित देशों की तुलना में यह बहुत कम है। भले ही ऐसा हो पर देश की नगरीय जनसंख्या में वृद्धि हो रही है । नगरीकरण में शहरों का विस्तार और नए शहरों के उदय की भूमिका उल्लेखनीय है।

भारत में नगरीकरण की स्थिति को देख ते हुए उत्तर की तुलना में दक्षिण में नगरीकरण अधिक हुआ है। गोआ सर्वाधिक नगरीकरण वाला राज्य है। इस राज्य में करीब ६२% जनसंख्या नगरों में रहती है। दिल्ली में नगरीकरण ८०% से अधिक हुआ है। तमिलनाडू, महाराष्ट्र, गुजरात और केरल राज्यों में नगरीकरण अधिक हुआ है। हिमाचल प्रदेश, जम्मू–कश्मीर, उत्तराखंड, बिहार और राजस्थान इन राज्यों में नगरीकरण कम हुआ है।

क्या आप जानते हैं ?

भारतीय उपमहाद्वीप का इतिहास बहुत प्राचीन है। इस क्षेत्र के लोग अनेक पीढ़ियों से नदी किनारे, पठारों पर एवं पहाड़ियों पर भी रहते आए हैं। इंद्रप्रस्थ (दिल्ली), मिथिला, वाराणसी, हड़प्पा, मोहनजोदड़ो, उज्जैन, प्रतिष्ठान (पैठण) ये तत्कालीन नगर थे। इससे यह परिलक्षित होता है कि भारत में नगरीकरण की बड़ी परंपरा रही है।

ब्राज़ील नगरीकरण :

करके देखिए

पृष्ठ ४९ पर दी गई तालिका के आधार पर ब्राज़ील में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत दिया गया है। इस तालिका के आधार पर रेखालेख तैयार कीजिए। उसका अध्ययन कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

देखिए तो क्या होता है !

तालिका में दी गई जानकारी के आधार पर नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत दर्शाने वाला वर्णमात्री (क्षेत्रघन) मानचित्र सूची के साथ बनाइए और टिप्पणी लिखिए। (स्रोत : जनगणना २०११)

अ. क्र.	नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत	राज्य/ केंद्र शासित प्रदेश (समूह)
१.	०–२०	हिमाचल प्रदेश, बिहार, असम, ओडिशा
२.	२१–४०	मेघालय, उत्तर प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, राजस्थान, सिक्किम, त्रिपुरा, जम्मू और कश्मीर, नागालैंड, मणिपूर, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, हरियाणा, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, पंजाब, कर्नाटक, मध्य प्रदेश
३.	४१–६०	गुजरात, महाराष्ट्र, दादरा व नगर हवेली, केरल, तमिलनाडू, मिज़ोरम
४.	६१–८०	गोवा, पुडुचेरी, दमन और दीव, लक्षद्वीप
५.	८१–१००	चंडीगढ़, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली (NCT)

ब्राज़ील- नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत (१९६०-२०१०)

१९६०	१९७०	१९८०	१९९०	२०००	२०१०
४७.१	५६.८	६६.०	७४.६	८१.५	८४.६

- दिए गए आँकड़ों में कितना कालांतर है ?
- किस कालखंड में नगरीकरण अधिक गति से हुआ है ?
- आलेख का विश्लेषण करते हुए पाँच वाक्य लिखिए।

भौगोलिक स्पष्टीकरण

विकासशील देशों में ब्राज़ील में सर्वाधिक नगरीकरण हुआ है। इस देश की नगरीकरण की प्रक्रिया विलक्षणीय है। ब्राज़ील में करीब ८६% जनसंख्या शहरी भागों में रहती है। सन १९६० से सन २००० तक इन चार दशकों में नगरीकरण की गति अधिक थी। किंतु उसके बाद ब्राज़ील में नगरीकरण की गति धीमी पड़ गई है।

ब्राज़ील में मुख्यतः दक्षिण एवं दक्षिण-पूर्वी भागों में 'साओ पाउलो' महानगर और औद्योगिक प्रदेश में नगरीकरण की वृद्धि सर्वाधिक है। देश के केवल कुछ ही भागों में होने वाली जनसंख्या वृद्धि एवं अधिवासों का केंद्रीकरण ध्यान में रखते हुए ब्राज़ील सरकार ने 'पश्चिम की ओर चलो' नीति को प्रोत्साहन दिया है। इससे कुछ चुनिंदा भागों में होने वाला नगरीकरण कम होगा और जनसंख्या का विकेंद्रीकरण होगा और देश में स्थित जनसंख्या वितरण में असमानता कम होगी।

आकृति ७.६ का अध्ययन कर ब्राज़ील की नगरीय जनसंख्या से संबंधित बिंदुओं पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

- सर्वाधिक नगरीकरण किन राज्यों में हुआ है ?
- किन राज्यों में नगरीकरण कम हुआ है ?

दवात के रंग

- आकृति ७.५ के रेखालेख की एवं आप के द्वारा बनाए गए ब्राज़ील के रेखालेख की तुलना कीजिए। दोनों देशों में नगरीकरण में समयानुसार हुए बदलाव पर पाँच वाक्य लिखिए।
- आगे दिए गए मुद्दों के आधार पर भारत व ब्राज़ील के अधिवासों की तुलना कीजिए (आकृति ७.१ व ७.२) एवं उस पर संक्षिप्त में टिप्पणी लिखिए। (अ) स्थान (ब) प्रतिरूप (क) प्रकार (ड) सघन- विरल

देखिए तो क्या होता है !

नीचे दिए गए दो उपग्रह चित्रों का निरीक्षण कीजिए। भू-आकृति के संदर्भ में अधिवासों का वर्णन कीजिए। प्राकृतिक रचना का विचार कर बताइए कि इन अधिवासों का स्थान कहाँ होगा। उनके प्रतिरूप एवं भविष्य में विस्तार की दिशा की सीमा को ढूँढ़िए।

मानचित्र से मित्रता

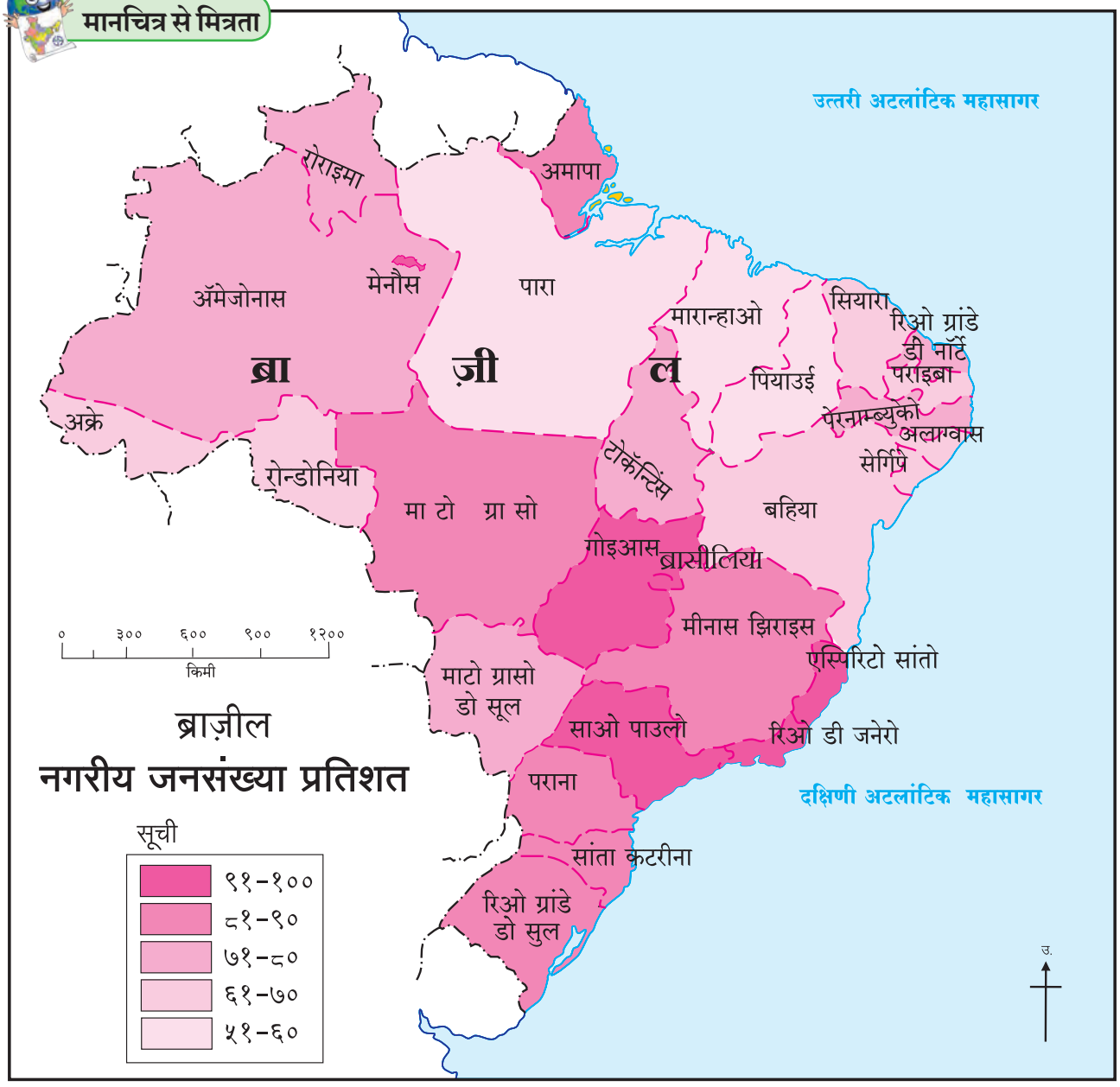

आकृति ७.६

थोड़ा दिमाग लगाओ

➤ ब्राज़ील में नगरीकरण पर परिणाम करने वाले कौन-से हैं ?

भौगोलिक स्पष्टीकरण

मानचित्र देखने पर यह ध्यान में आता है कि ब्राज़ील के नगरीकरण आंतरिक भागों की अपेक्षा तटीय भागों में अधिक हुआ है। उत्तर की ओर स्थित राज्यों की अपेक्षा साओ पाउलो, गोइयास, रियो डी जनेरो राज्यों में नगरीय जनसंख्या अधिक है। ब्राज़ील की उच्चभूमि का प्रदेश एवं अमेजन नदी के मैदान में जनसंख्या कम होने से नगरीकरण भी कम ही हुआ है। इस प्रदेश में मैनोस नामक बंदरगाह नीग्रो एवं अमेज़न नदियों के संगम पर स्थित है। इसीलिए यहाँ नगरीकरण अधिक हुआ है।

दूवैत के रंग

ब्राज़ील और भारत इन दोनों देशों के अधिवासों के प्रतिरूप, ग्रामीण और नगरीय अधिवास एवं नगरीकरण पर एक परिच्छेद लिखिए।

प्रश्न १. सही विकल्प के सामने चौखट में ✓ चिह्न के द्वारा दर्शाएँ:

(अ) आवासों का केंद्रीकरण नीचे दिए गए प्रमुख कारकों पर निर्भर है।
- (i) सागर से निकटता ☐
- (ii) मैदानी प्रदेश ☐
- (iii) पानी की उपलब्धता ☐
- (iv) जलवायु ☐

(आ) ब्राज़ील के दक्षिण-पूर्वी भागों में कौन-से प्रकार के अधिवास मुख्य रूप से मिलते हैं ?
- (i) केंद्रित ☐
- (ii) रेखाकृति ☐
- (iii) प्रकीर्ण ☐
- (iv) ताराकृति ☐

(इ) भारत में प्रकीर्ण अधिवास कहाँ पाए जाते हैं ?
- (i) नदी के किनारे ☐
- (ii) परिवहन मार्गों के किनारे ☐
- (iii) पहाड़ी प्रदेशों में ☐
- (iv) औद्योगिक क्षेत्रों में ☐

(उ) नर्मदा की घाटी में सघन अधिवास पाए जाते हैं।
- (i) वनाच्छादन ☐
- (ii) कृषि योग्य भूमि ☐
- (iii) ऊंची-नीची भूमि ☐
- (iv) उद्योग-व्यापार ☐

(ऊ) ब्राज़ील में किस राज्य में नगरीकरण कम हुआ है ?
- (i) पारा ☐
- (ii) अमापा ☐
- (iii) एस्पिरिटो सांन्तो ☐
- (iv) पराना ☐

प्रश्न २. भौगोलिक कारण लिखिए

(अ) पानी की उपलब्धता अधिवासों को प्रभावित करने वाला प्रमुख कारक है।

(आ) ब्राज़ील में अधिवासों का केंद्रीकरण पूर्वी तट के पास हुआ है।

(इ) भारत में नगरीकरण में वृद्धि हो रही है।

(ई) पूर्वोत्तर ब्राज़ील में अधिवास विरल हैं।

(इ) उत्तरी भारत में अन्य राज्यों की अपेक्षा दिल्ली एवं चंडीगढ़ में नगरीकरण अधिक हुआ है।

प्रश्न ३. संक्षेप में उत्तर दीजिए।

(अ) भारत और ब्राज़ील में नगरीकरण की तुलनात्मक समीक्षा कीजिए।

(आ) गंगा और अमेज़न नदी की घाटियों में पाए जाने वाले मानवीय अधिवासों में अंतर स्पष्ट कीजिए।

(इ) मानवीय अधिवास विशिष्ट स्थानों पर ही क्यों पाए जाते हैं ?

उपक्रम :

इंटरनेट व संदर्भ ग्रंथों के आधार पर ब्राज़ील के 'पश्चिम की ओर चलो' एवं भारत की 'गाँव की ओर चलो' नीतियों के विषय में अधिक जानकारी प्राप्त कीजिए। उनके उद्देश्य एवं उनसे होने वाले परिणामों पर कक्षा में चर्चा कीजिए।

***

SD8ZJ9